

वोट चोरी ऐसी जो पकड़ी ना जा सके: EVM काले काँच का काला खेल



- ❖ क्या सभी 65 करोड़ वोट देने वाले मतदाताओं ने अपनी मतपर्ची को छपते हुए और कटकर गिरते हुए देखा?
- ❖ काले काँच द्वारा वोट चोरी का प्रत्यक्ष उदाहरण
- ❖ इतनी सुरक्षा के बीच वोट चोरी कैसे संभव?
- ❖ आपकी एक चिट्ठी और एक रुपया इस संभावित वोट चोरी को रोक सकते हैं

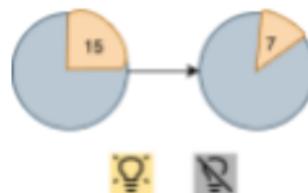
क्या सभी 65 करोड़ वोट देने वाले मतदाताओं ने अपनी मतपर्ची को छपते और कटकर गिरते हुए देखा?

जून 2017 के बाद हमारी वोटिंग मशीन में ये 2 बदलाव हुए:

- काला काँच:** EVM VVPAT में मौजूद पारदर्शी काँच को काले काँच से बदल दिया गया। इसकी वजह से अब बिना VVPAT के अंदर लाइट जले हम अपने वोट की पर्ची को नहीं देख सकते।



- प्रकाश की अवधि कम:** EVM के अंदर का बल्ब, जिसके जलने पर हम अपने वोट की छपी हुई पर्ची देखते हैं, पहले 12-15 सेकंड के लिए जलता था, और अब केवल 7 सेकंड के लिए जलता है!

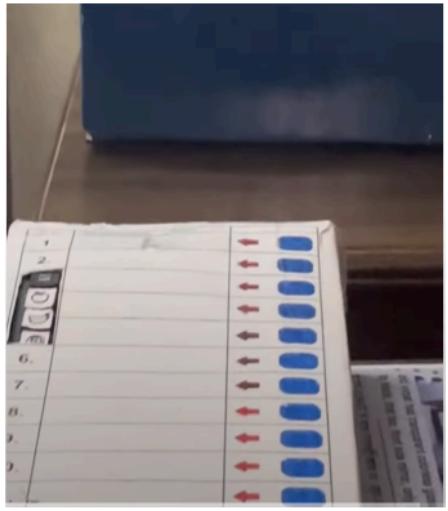


आइए देखते हैं कि किस प्रकार ये 2 बदलाव हमारी **आँखों** को धोखा दे इलेक्ट्रॉनिक और कागज़, हमारे दोनों प्रकार के वोटों को चुरा सकते हैं।

काले काँच वाली वोटिंग मशीन द्वारा संभावित वोट चोरी का प्रत्यक्ष उदाहरण

<https://tinyurl.com/EvmBlackGlassDemo>
(a 3 min video)

यह एक डमी वोटिंग मशीन है जिस पर काला काँच लगा हुआ है।



मान लीजिए हमारे पास 2 प्रत्याशी हैं: सेब और केला

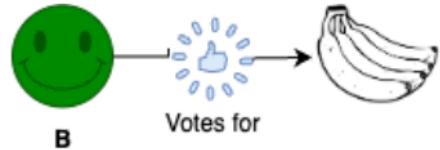
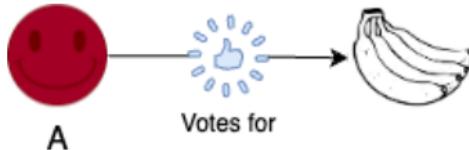


केला



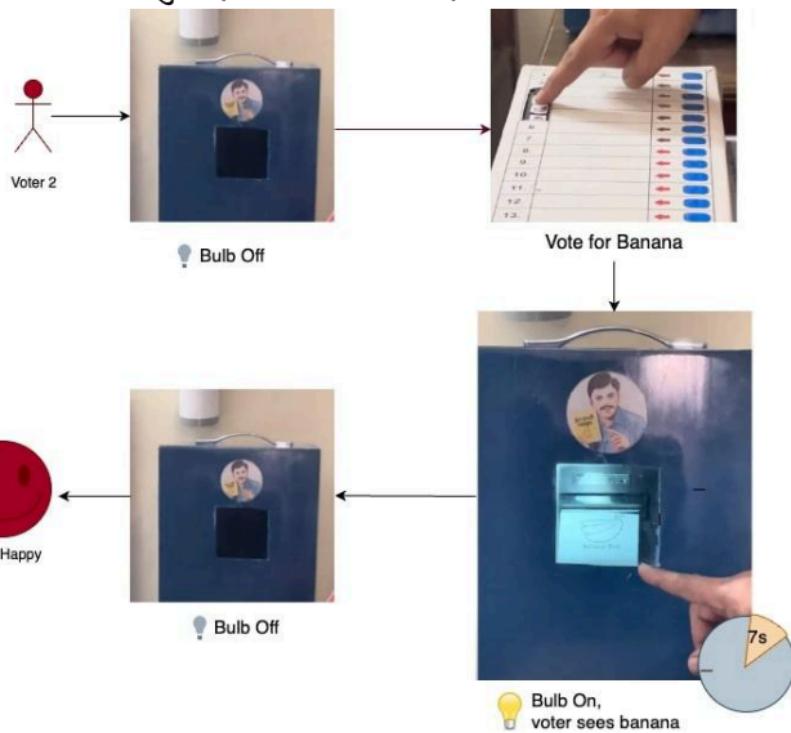
सेब

हमारे पास 2 मतदाता हैं: A और B। ये दोनों केले को पसंद करते हैं।

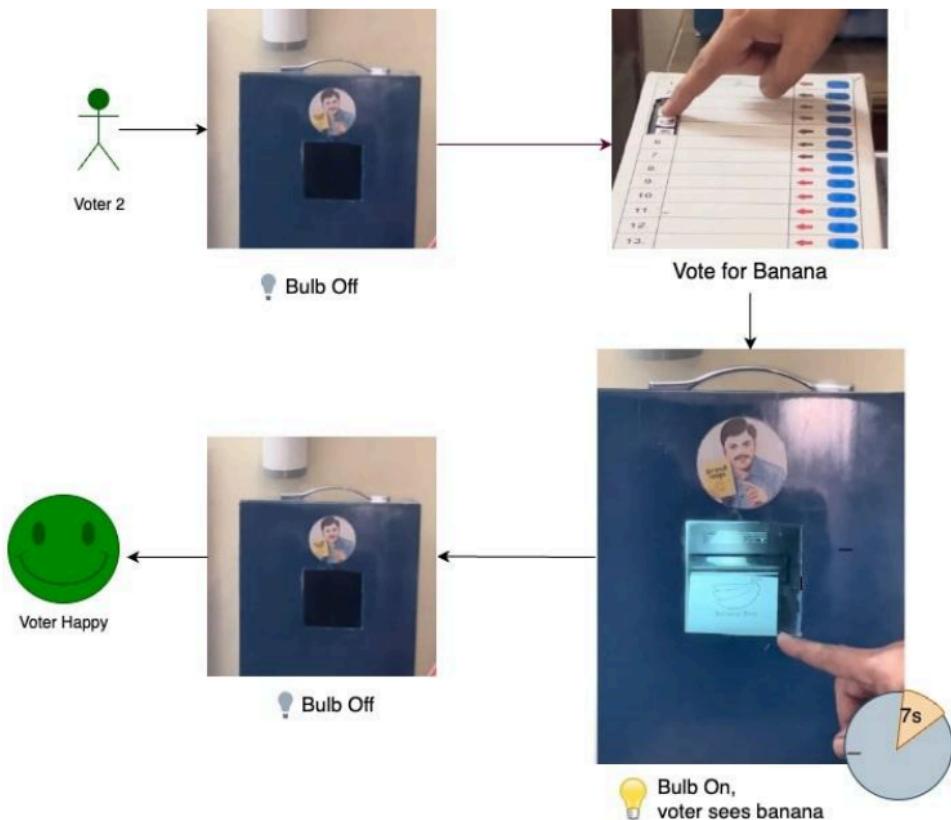


पहला वोटर आता है,

- पहले लाइट बंद है।
- वह केले को वोट देता है,
- लाइट चालू होती है, वोटर अपनी केले की पर्ची देखता है,
- लाइट 7 सेकंड तक जलती है, फिर बंद हो जाती है। पहला वोटर खुश होकर चला जाता है



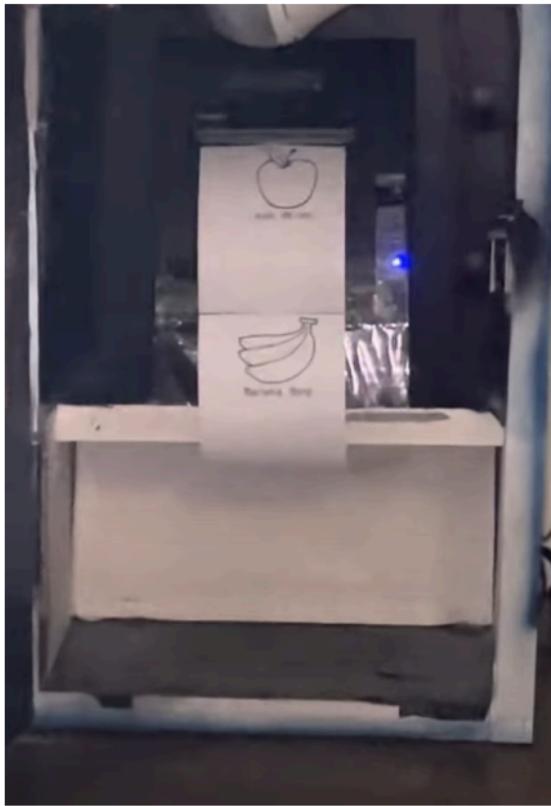
फिर दूसरा वोटर आता है, और इसी प्रकार से केले को वोट देता है।



अब बारी आती है चुनाव परिणाम की। तो आपके अनुसार किसको कितने वोट मिलने चाहिए?

एक सामान्य जवाब होगा कि जब दोनों ने केले को वोट दिया है तो दोनों वोट केले को ही मिलने चाहिए। सेब को एक भी वोट नहीं जाना चाहिए। अब वास्तविक परिणाम देखते हैं:

चुनाव परिणाम



एक केले और एक सेब की पर्ची! दोनों ने केले को वोट दिया, और दोनों मतदाताओं ने पर्ची भी केले की ही देखी तो, फिर एक वोट सेब का कहाँ से आ गया?

काले काँच का जादू: दरअसल हमने जो केले की पर्ची पहले वोटर को दिखाई थी, वही पर्ची काटे बिना दूसरे वोटर को भी दिखा दी! और अंत में एक पर्ची सेब को दे दी! यह कैसे संभव हुआ, आइए समझते हैं...

- काले काँच एवं जल्दी लाइट बंद होने के कारण:
 - ◆ पहला वोटर यह नहीं देख पाया कि अंत में उसकी पर्ची कटकर मतपेटी में गिरी ही नहीं ।
 - ◆ जब दूसरा वोटर आया, तब लाइट बंद थी । पहले वोटर की केले की पर्ची काले काँच के पीछे छिपी हुई थी। वह उसे देख नहीं पाया ।
 - ◆ जब दूसरे वोटर ने भी केले को ही वोट दिया तो मशीन ने पर्ची छापे बिना, सिर्फ़ लाइट चालू करके पहली वाली केले की पर्ची ही दूसरे को भी दिखाया दी ।
 - ◆ लाइट बंद होने के बाद मशीन ने एक पर्ची सेब की छाप दी ।
- यह सारा घटनाक्रम आप इस 3 मिनट के डेमो वीडियो में अपनी आँखों से देख सकते हैं:
<https://tinyurl.com/evmblackglassdemo>
यह डेमो लाखों लोगों को जंतर मंतर पर 6 जनवरी 2024 पर प्रत्यक्ष दिखाया गया । करोड़ों लोगों ने youtube के मध्यम से देखा ।
- **पक्षपाती प्रोग्राम:** दरअसल हमने अपनी मशीन के प्रोग्राम को सेब के पक्ष में वोट चुराने का संकेत दिया हुआ था ।
- ठीक इसी प्रकार का संकेत EVM मशीन को भी देना संभव है, चुनाव से कुछ दिन पहले उसमें डाली जाने वाली प्रत्याशियों की फाइल के माध्यम से । coded होने के कारण यह साधारण आँखों से पढ़ी नहीं जा सकती ।

- यदि सरकारी EVM में भी हमारी मशीन जैसा प्रोग्राम है, तो चुनाव में यह गड़बड़ी हो सकती है।
- **100% vvapt पर्चियों की गिनती भी नहीं पकड़ सकेगी चोरी:** जैसा कि हम देख सकते हैं, यहाँ कागज़ की पर्चियों की संख्या वास्तविक मतदाताओं और इलेक्ट्रॉनिक वोटों की संख्या से मेल खाती है। कागज़ की पर्चियों भी 2 हैं और मतदाताओं की संख्या भी। इसलिए इस चोरी को पकड़ने के लिए विपक्ष पार्टियों द्वारा दिया गया वोट गिनती का समाधान निरर्थक है।
- **इन बदलावों का सबूत:** वर्ष 2017 से पहले का यह वीडियो देखें जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें दिखाया गया काँच पारदर्शी है, एवं light जलने की अवधि 15 second है।
<https://tinyurl.com/EVMPproof> [पहले 15 मिनट के बाद]
- जब दो या अधिक वोटर लगातार किसी ऐसे चिह्न को वोट देते हैं, जो वोटिंग मशीन द्वारा समर्थित नहीं है, तो यह मशीन उन सबको एक ही पर्ची दिखाती जाती है। और अंत में केवल एक पर्ची उस प्रत्याशी को देकर बाक़ी सारे वोट अपने समर्थित प्रत्याशी को दे देती है।
- **सामान्यतः:** ऐसे वोटिंग क्रम की संभावना काफ़ी बनती है, जैसे कि जब किसी प्रत्याशी को पसंद करने वाले मित्रजन/ परिवारगण एक साथ वोट देने जाते हैं, आदि।

इतनी सुरक्षा के बीच वोट चोरी कैसे संभव?

EVM standalone है!

- EVM standalone नहीं है। किसी भी electronic उपकरण की तरह EVM भी अपने अंदर मौजूद एक प्रोग्राम द्वारा चलता है। यह प्रोग्राम भी अन्य कंप्यूटर प्रोग्राम की तरह कुछ संकेत (Inputs) ग्रहण कर सकता है।



- ये संकेत उसे बता सकते हैं कि किस उम्मीदवार को जिताना है, एवं किस समय पर कितने वोटों की गड़बड़ी करनी है। (यानी असली चुनाव के समय ही गड़बड़ी शुरू होगी, ना कि mock poll में)।
- जब EVM मशीन के अंदर चुनाव में खड़े होने वाले उम्मीदवारों की जानकारी डाली जाती है, उसी समय उसमें छेड़खानी के लिए ये संकेत भी डाले जा सकते हैं। यह सारी जानकारी जिस फाइल में होती है, वह कोडेड होती है और इसे मानवीय आँखों से नहीं पढ़ा जा सकता।
- यदि EVM मशीन का प्रोग्राम इन संकेतों के अनुसार काम करने की क्षमता रखता है, तो चुनाव में गड़बड़ी हो सकती है।

संभावित EVM प्रोग्राम एवं उम्मीदवार फाइल

(संभावित) उम्मीदवार फाइल	
उम्मीदवार 1	
उम्मीदवार 2	
पसंदीदा उम्मीदवार	
छेड़छाड़ करने का समय	10 AM to 2 PM
चोरी करने का प्रतिशत	30
छेड़छाड़ के लिए पासवर्ड



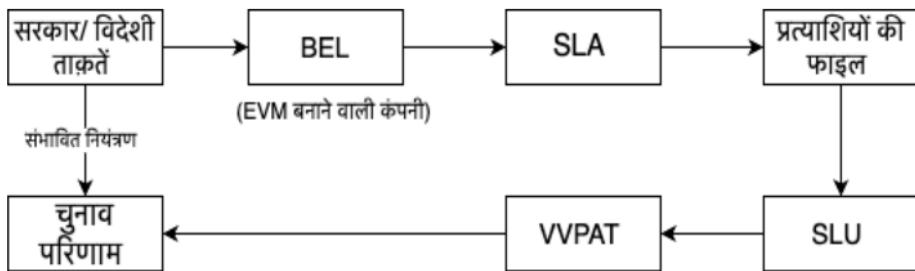
संभावित_चुनाव_प्रोग्राम(पसंदीदा उम्मीदवार, छेड़छाड़ करने का समय, चोरी करने का प्रतिशत (X), पासवर्ड) {

यदि फाइल से पासवर्ड == "छेड़छाड़ के लिए पासवर्ड" मिला है, और
यदि यह समय छेड़छाड़ वाला है, और अभी तक X% वोट चोरी नहीं हुए हैं,
तो

यदि वोटर पसंदीदा उम्मीदवार के अलावा किसी और को वोट देता है, तो पर्ची को मत काटो। अगर अगला वोटर भी उसी उम्मीदवार को वोट देता है, तो उसे पुराने वोटर वाली पर्ची ही दिख दो। और अगले वोटर के जाने के बाद
एक पर्ची अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए काट दो।}

यह सब कुछ कैसे नियंत्रित होता है, इसके लिए वोटिंग व्यवस्था का यह क्रम समझते हैं:

EVM किसके हाथ में है?



- चुनाव से कुछ 15 दिन पहले, चुनाव में खड़े होने वाले उम्मीदवारों की जानकारी की एक फाइल के रूप में symbol loading units (SLU) द्वारा VVPAT में डाली जाती है।
- उम्मीदवारों की जानकारी वाली यह फाइल जिस एप्लीकेशन के द्वारा बनाई जाती है [symbol loading application (SLA)] वह Bharat electronics limited (BEL) द्वारा नियंत्रित होती है।
- BEL और चुनाव आयोग के कुछ शीर्ष अधिकारियों द्वारा इस ऐप के update आदि के माध्यम से इस फाइल में छेड़छाड़ के लिए ज़रूरी संकेत पहुँचाए जा सकते हैं।
- विदेशी कंपनियाँ जो हमें अपना गुलाम बनाना चाहती हैं, वे अपने पैसे और ताक्त के बल पर इन अधिकारियों से अपना मतलब निकलवा सकती हैं, यानी कि जो पार्टी उनके control में है उसको जितवा सकती है।

पर्ची छपती और गिरती दिखने पर भी हो सकती है गड़बड़ी!

- ❖ VVPAT मशीन में light intensity sensor होता है जो कि VVPAT के ऊपर पड़ने रोशनी को नाप सकता है।
- ❖ **संभावना:** अगर वोटर VVPAT के सामने खड़ा है, तो वह अलग तरह से काम करेगा और अगर चला गया है तो अलग तरह से। उदाहरण: यदि कोई 'जागरूक' वोटर 3 सेकंड के बाद भी खड़े रहकर अपनी पर्ची के कटने का इंतज़ार करता है, तो पर्ची कटकर गिर जाती है, नहीं तो VVPAT अगले वोटर का इंतज़ार करती है और केवल सेब का वोट आने पर ही उन सबको काटती है। जिसमें से केवल एक केले को और बाक़ी सेब को जाते हैं।
- ❖ यानी कि यदि हमारे पास 1000 वोटर हैं, जिनमें से केवल 50 जागरूक हैं तो यह मशीन 900 गैर-जागरूक वोटरों के वोट आसानी से चुरा सकती है।
- ❖ **बैलट पेपर का विकल्प:** कुल मिलाकर निष्पक्ष चुनावों के लिए अन्य कई विकसित देशों की तरह हमें भी EVM को बॉयकॉट कर बैलट पेपर का विकल्प नागरिकों को देना होगा।
- ❖ **भारत की विशाल जनसंख्या का बहाना:** EVM के पक्ष में कोई तर्क ना बचने पर कुछ बुद्धिजीवी हमारे देश की विशाल जनसंख्या को

बैलट पेपर देने में रोड़ा बताते हैं। अब एक आम मतदाता स्वयं ही निर्णय ले, क्या ज्यादा ज़रूरी है: चुनाव प्रक्रिया का तीव्र होना अथवा उसका निष्पक्ष होना? हमारे अनुसार एक प्रदूषित प्रक्रिया चुनाव ना होने के ही बराबर है।

- ❖ **बिकाऊ मीडिया:** देश भर में कार्यकर्ताओं द्वारा इस डेमो के सैकड़ों प्रदर्शनों के बावजूद सारे अखबार एवं समाचार चैनल 'काले काँच' के मुद्दे पर चुप हैं! यह ही नहीं, इस गड़बड़ी को लेकर बनाए गए करोड़ों views वाले वीडियो विदेशी कंपनी youtube द्वारा हटा दिए गए (देखिए अंतिम पेज)। आप नेता प्रशांत भूषण जी द्वारा जब इस डेमो का वीडियो ट्रिटर पर डाला गया, तब हमारी (लोकतांत्रिक) सरकार ने twitter को इस हटाने के लिए notice भेजा।

ईवीएम में हेराफेरी पर उठने वाले कुछ सवाल

यह मशीन असली EVM नहीं है !

[यह सवाल स्वयं चुनाव आयोग ने भी उठाया था]

<https://tinyurl.com/ECEDemoQuestion>

जवाब: यह demo EVM का है ही नहीं, बल्कि उसमें लगे काले काँच का है। किसी वोटिंग मशीन को काले काँच द्वारा कैसे पक्षपाती बनाया जा सकता है, यह डेमो यह दर्शाता है।

Evm standalone होती है, वह काफी सुरक्षा के बीच रखी जाती है, फिर उसमें गड़बड़ी कैसे हो सकती है ?

जवाब: EVM सुरक्षित होती है पर केवल बाहरी खतरों से बचने के लिए। यह बात बिलकुल वैसे ही है जैसे अगर कोई व्यक्ति सुरक्षित घर में रहता है तो वह बीमार नहीं हो सकता! यदि EVM सच में standalone होती तो उसे चुनाव में खड़े होने वाले उम्मीदवारों के नाम एवं चुनाव का समय कैसे पता चलते?

समाधान: आओ चिट्ठी लिखें !

मुख्य चुनाव आयुक्त महोदय,

#RemoveEVMBlackGlass

EVM का काला काँच हटाएँ

#GiveEVMBallotPaperOption

मतदान कक्ष में EVM के साथ बैलेट पेपर का विकल्प रखें

दिनांक:

प्रेषक:

वोटर संख्या:

प्राप्ति/उपरान्त/प्रतिक्रिया - 2022 पोस्ट कार्ड POST CARD

75
आजादी का
अमृत महोत्सव



चुनाव आयुक्त,
दिल्ली

पिन PIN 1 1 0 0 0 1

(इस लाइन के नीचे न हो लिखें और न ही चुनिदा करें) Do not write or print below this line)

"माना घनेरी रात है पर दिया जलाना कहाँ मना है"

इस निराशा के अंधेरे में आज हमारा दिया बनकर आई है यह चिट्ठी जो हम प्रधानमंत्री जी एवं चुनाव आयोग को लिख सकते हैं ! यह वह कदम है जो प्रत्येक नागरिक अपने गाँव, शहर, क़स्बे में रहते हुए अपने कुछ ही मिनट देकर अविलंब उठा सकता है।

यहाँ हम मतदाता अपने चुनाव आयोग को EVM का काला-कांच हटाने, एवं मतदान कक्ष में EVM के साथ बैलेट पेपर रखने का निर्देश दे रहे हैं। ताकि जिन्हें EVM के काले कांच पर भरोसा है वे बेशक अपना वोट उसे दें, परंतु जिनका इस पर से भरोसा उठ चुका है, उनके पास ballot paper का विकल्प रहे।

postcard में नीचे लिखें अपना नाम एवं वोटर id

यदि आपके पास यह पोस्टकार्ड भेजने के 20 मिनट नहीं हैं तो आप अपने 5 मिनट देकर PMO India और ECI India को यह tweet भी भेज सकते हैं:

@PMOIndia @ECISVEEP

#ईवीएम_काला_काँच_हटाएँ #RemoveEVMBLACKGLASS
#ईवीएम_मतपत्र_विकल्प_देवें। #GiveEVMBALLOTPAPEROPTION

इनके साथ ही आप **PMCAres** account में 1 रुपये भेज सकते हैं, '**EVMBG, remove evm black glass**' संदेश के साथ। 'EvmBG' मेसेज के आधार पर ये प्रधानमंत्री जी द्वारा आसानी से गिने जा सकते हैं।

Payment to

Pm Cares

SUCCESS

₹1.00

20 Nov '24 10:45am



Payment
Initiated

Payment
Processing

Payment
Completed

To UPI ID

Pmcaries@sbi

Debited from



HDFC BANK LTD - XXXXXX8229
UPI LITE

Amount

₹ 1.00

Transaction ID

43251018789
8

Remarks

EvmBG , remove evm black glass :
<voter name, voter id>

Contact Us

Share

BHIM | POWERED BY UPI
BHIM - BHARAT PAYMENT BUSINESSES

अब आप सोच रहे होंगे कि हम निर्देश देने वाले कौन होते हैं? हमारी बात कोई नहीं मानेगा.. आदि आदि। तो लीजिए इन सभी सवालों के जवाब:

कैसे पता चलेगा कि कितने लोगों ने ऐसा संदेश भेजा है?

- आपको इस संदेश का फोटो किसी सार्वजनिक स्थान पर रखना है, जैसे कि twitter, facebook, instagam आदि, जहां इसे बाकी नागरिक देख सकें। इसे डालते समय *#RemoveEVMBlackGlass* *#GiveEVMBallotPaperOption* भी लिखना है। इस hashtag के आधार पर कोई भी इस प्रकार के निर्देश ढूँढ सकता है।
- UPI वाले संदेश भी EvmBG मेसेज के आधार पर प्रधानमंत्री जी द्वारा आसानी से गिने जा सकते हैं।

ये छोटा -सा निर्देश भेजने से क्या होगा? हमें धरने, आंदोलन इत्यादि करने चाहिए।

- सरकार को लिखित में भेजे बिना आंदोलन करना वैसा होगा जैसे यदि हमने किसी गुनाह को होते देख लिया है, हम गली-नुककड़ पर उसकी बुराई कर रहे हैं पर जज के सामने गवाही देने से मना कर रहे हैं
- इसके बिना हमारे पास अपनी माँग का कोई स्थायी सबूत और गिनती नहीं होगी कि कितने लोग वास्तव में ballot paper लाना चाहते हैं।

मैं तो बस एक 'आम' नागरिक हूँ, इतने बड़े पद पर आसीन अधिकारियों

को कैसे निर्देश दे सकता हूँ? कोई क्रानूनी कार्यवाही हो गई तो?

- उन्हें चुनने वाले हम ही हैं। अपनी बात रखने का हमारा अधिकार है।
- इसमें एक अंश भी गैर क्रानूनी तत्व नहीं ढूँढ़ा जा सकता। अब तक हजारों लोग ऐसे निर्देश भेज चुके हैं, उनके साथ कुछ भी नहीं हुआ।

हम इस बात को आगे कैसे बढ़ा सकते हैं?

- आप ईवीएम-काले-काँच के मुद्दे पर चुनाव लड़ सकते हैं।
- ऐसे डेमो बनाकर/ बनवाकर/ मंगवाकर सबको दिखा सकते हैं।
- आप इस पुस्तिका को आगे छपवाकर बांट सकते हैं। और इस लिंक को अपने सोशल मीडिया पर शेयर कर सकते हैं:

<https://tinyurl.com/EVMPamphletLocation>

चुनाव जा चुके हैं, अब हमारे पोस्टकार्ड भेजने से क्या होगा?

यदि इस देश के 90 करोड़ मतदाताओं का EVM पर से भरोसा उठ जाता है, तो चुनाव वापस हो सकते हैं।

मेरे अकेले के पोस्टकार्ड भेजने से क्या होगा?

- बूँद-बूँद मिलकर सागर बनता है। आपको देखकर और लोग भी इस प्रकार के लिखित निर्देश भेजेंगे।
- यदि आपकी मांगे ना भी मानी जाए तो भी प्रत्येक पोस्टकार्ड सरकार को याद दिलाएगा कि देश में कुछ लोग हैं जो आज भी जाग रहे हैं।

क्या फरक पड़ता है कि EVM में गड़बड़ी हो या ना हो, जीतना तो अमुक party को ही है, और कोई विकल्प भी तो नहीं है !

- कोई भी विकल्प तभी ऊपर उठ पाएगा, जब हमारी चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष हो!
- जहां EVM में गड़बड़ी करके कोई पक्ष 80% वोटों से जीत सकता है, वहीं अब केवल 40% ही जीत पाएगा और तानाशाही से बचेगा ।

इन सवालों के जवाब आप वर्ष 2024 के चुनाव परिणामों में प्रत्यक्ष देख सकते हैं!

ऐसा हुआ EVM हटाओ सेना का वार, चूर-चूर हुआ 400 पार!

जहां एक पक्ष लगातार '400 पार' का नारा लगा रहा था, वहीं चुनाव के इतने मिले-जुले परिणाम आए! ये हो पाया हमारी ईवीएम हटाओ सेना की कड़ी मेहनत के कारण । देशभर से कई लोकतांत्रिक कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने EVM काले-काँच के demo दिखाए । हज़ारों लोगों एवं 143 से अधिक राजनैतिक पार्टियों ने ऐसे पत्र भेजे । अगर वाक़र्ड में 400 पार हो जाता, तो यह आंदोलन आग की तरह फैल जाता । और फिर ईवीएम और सरकार, दोनों ही सदा-सदा के लिए विदेशी ताक़तों के हाथों से निकल जाते! इसीलिए EVM के मालिकों ने तय किया कि इस बार EVM में गड़बड़ी थोड़ी करके अगले 5 साल जनता को भरोसा दिलाते हैं कि देरवो, ईवीएम बिल्कुल ठीक है!

EVM हटाओ सेना द्वारा देशभर में दिए गए मुख्य प्रेस प्रदर्शन:

जंतर मंतर, 26/1/2024:

(1 crore+ YouTube views, video taken down by YouTube)

<https://youtu.be/DQBzD9ETs84?si=JrLAX2sQ3Zb3bqC5>

जंतर मंतर, December 2019

(1 Crore+ views ,video taken down by YouTube)

<https://www.facebook.com/share/v/VdgADUceTT7zPjhU/?mibextid=oFDknk>

जयपुर, (Jan 2024)

<https://www.facebook.com/share/r/1MQxKroQYhu6ujGc/?mibextid=oFDknk>

Luchnow Press Club, 6/4/2024

<https://youtu.be/Ymi42RCwZp4?si=Y1DcCLjERD78nAP9>

Press Club of India, New Delhi

<https://www.youtube.com/live/5HtztYi4URg?si=NByG-TM-Max6BiK1>

Patna, 5/5/2024

<https://www.facebook.com/share/p/dLcbCMtunJFWTKFN/?mibextid=oFDknk>

21/4/2024 , Bangalore Press Club

<https://youtu.be/3syvCYMXSg?feature=shared>

Kolkata 6/5/2024

<https://www.instagram.com/reel/C6ooWqEL7s9/?igsh=MnVmZGYxM2k4N3F>

इस पुस्तिका में हमने EVM के काले काँच द्वारा अपने मताधिकार पर छाए खतरे को एक डेमो के माध्यम से प्रत्यक्ष देखा। साथ ही वोटिंग प्रक्रिया को गहराई से समझाकर इसमें हेरफेर की संभावना को समझा। फिर हमने इस स्थिति को बदलने का एक असरदार समाधान देखा जिसमें प्रत्येक नागरिक आसानी से भाग ले सकता है। अब देखना यही है कि हमारे पूर्वजों ने जो आज़ादी हमें अपना खून-पसीना बहाकर दिलाई है, उसे बचाने के लिए क्या हम अपना पराक्रम करेंगे? हमने जिन्हें चुनकर भेजा है, उन्हें निर्देश भेज अपनी भूमिका निभाएँगे, या गुलामी को ही अपनी नियति मान चुपचाप बैठे रहेंगे?

सहयोग

इस पुस्तिका को छपवाने की क्रीमत 10 रुपये है। यदि आपको हमारे देश की रक्षा के लिए यह पुस्तिका महत्वपूर्ण लगी तो आप निम्न upi id अथवा paytm नंबर पर 10 रुपये भेज सकते हैं अथवा इसकी और कृतियाँ छपवाने के लिए अधिक सहयोग राशि प्रदान कर सकते हैं। यदि आप स्वयं इसकी कृतियाँ प्राप्त कर बाँटना चाहते हैं, अथवा इस तरह की डेमो मशीन अपने पास मँगवाकर स्वयं मतदाताओं को जागरूक करना चाहते हैं तो इस नंबर पर whatsapp/ call कर सकते हैं। आप इस डेमो अथवा आंदोलन से जुड़ी किसी अन्य जानकारी के लिए भी संपर्क कर सकते हैं।

9351196383, upi - Ajaybhairrp@oksbi

आप स्वयं भी इसे यहाँ से डाउनलोड कर आगे छपवा सकते हैं:

<https://tinyurl.com/EVMPamphletLocation>